

सांवरिया के करीब | By Balram Vashisth

अपने सांवरिया के मैं करीब हूँ
मैं दुनिया में सबसे खुशनसीब हूँ
अपने सांवरिया के

श्याम का दर घर लगता अपना
इस दर से हुआ सच हर सपना
जब भी मैं हार के दर पे आता हूँ
दुनिया के सारे गम भूल जाता हूँ
साथी मेरा हर पल हर क्षण
ये मेरा मैं इसका राहगीत हूँ
मैं दुनिया में सबसे खुशनसीब हूँ

श्याम नाम धन मैंने पाया
जीवन मेरा है हर्षाया
जब जब मैं श्याम का नाम लेता हूँ
तब तब मैं खुशियों को थाम लेता हूँ
नाम की दौलत मुझको मिली है
कौन कहेगा मुझको मैं गरीब हूँ
मैं दुनिया में सबसे खुशनसीब हूँ

सबका मालिक श्याम धणी है
श्याम कृपा चहुँ और खड़ी है
जीवन में अब कोई शिकवा नहीं गीला
आनंद ही आनंद है आनंद धन मुझे मिला
बिट्टू भजन से ज़िन्दगी बनी है
ये मेरे और इसके मैं करीब हूँ
मैं दुनिया में सबसे खुशनसीब हूँ
अपने सांवरिया के

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%80%e0%a4%ac-by-balram-vashisth/>